मध्य प्रदेश ने केन-बेतवा लिंक परियोजना को स्वीकृति दी

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश कैबिनेट ने पवित्र शहर के विकास के लिये चित्रकोट विकास की स्थापना को स्वीकृति दे दी और 24,293 करोड़ रुपए की केन-बेतवा लिंक परियोजना को स्वीकृति दे दी।

मुख्य बिंदु:

- अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद चित्रकूट में भी श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। **भगवान राम ने वनवास के 11 वर्ष चित्रकूट में बिताए थे।**
  - प्रदेश कैबिनेट ने चित्रकूट विकास प्राधिकरण के लिये 20 करोड़ रुपए की स्वीकृति दे दी है।
- **केन-बेतवा परियोजना** से तीन राज्यों- **उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान** को लाभ होगा।
  - यह परियोजना छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, पन्ना, दमोह, सागर, दतिया और विदिशा, शिवपुरी, रायसेन के सूखा प्रभावित क्षेत्रों की अतिरिक्त 6,57,364 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई के दायरे में लाएगी।
  - 44 लाख की आबादी तक पेयजल सुविधा पहुँचायी जा सकेगी।
- कैबिनेट ने मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना के विस्तार को भी स्वीकृति दे दी, जिसे अब **"प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना"** के रूप में लागू किया जाएगा।
- यह योजना केंद्र सरकार की कुसुम 'B' योजना के तहत जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार मध्य प्रदेश विद्युत विकास निगम द्वारा क्रियान्वित की जाएगी।

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान योजना (PM-KUSUM)

- इसे मार्च 2019 में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) द्वारा किसानों को खेती के लिये सौर सिंचाई पंप स्थापित करने हेतु सब्सिडी देने के लिये लॉन्च किया गया था।
  - प्रत्येक किसान को ट्यूबवेल और पंप सेट स्थापित करने के लिये **60% सब्सिडी मिलेगी**।
  - उन्हें कुल लागत का **30% सरकार से ऋण के रूप** में भी मिलेगा।
- पीएम-कुसुम योजना का **प्राथमिक उद्देश्य** हमारे किसानों को अत्याधुनिक तकनीक उपलब्ध कराना और कृषि क्षेत्र को डीज़ल रहित सिंचाई के स्रोत उपलब्ध कराना है।
- **इस योजना के मुख्य उद्देश्य हैं:**
  - सौर पंप हमारे किसानों को अधिक प्रभावी और पर्यावरण-अनुकूल सिंचाई में सहायता करते हैं क्योंकि ये सुरक्षित ऊर्जा उत्पन्न करने में सक्षम हैं।
  - इसके अलावा, पंप सेट में एक ऊर्जा पावर ग्रिड शामिल होता है जो डीज़ल चालित पंपों की तुलना में अधिक ऊर्जा उत्पन्न करता है।
  - किसान अपनी आय बढ़ाने के लिये अतिरिक्त विद्युत सीधे हमारी सरकार को बेच सकेंगे।
- कुसुम में **3 घटक शामिल हैं जिनकी अलग-अलग विशेषताएँ हैं:**
  - **घटक A:** कुल 10GV ग्रिड-कनेक्टेड स्टिल्ट-माउंटेड विकेन्द्रीकृत सौर संयंत्र और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा-आधारित विद्युत संयंत्र स्थापित करना। प्रत्येक संयंत्र का आकार 500 किलोवाट से 2MV तक है।
  - **घटक B:** 7.5 HP तक व्यक्तिगत क्षमता और 17.50 लाख मूल्य के स्टैंड-अलोन सौर पंप स्थापित करना।
  - **घटक C:** प्रत्येक 7.5 HP क्षमता के सोलारिस 10 लाख ग्रिड से जुड़े कृषि पंपों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/madhya-pradesh-approves-ken-betwa-link-project